an>

Title:

श्री सुमेधानन्द सरस्वती **:** मैं आपसे निवेदन कर रहा था कि कृषि पर बहुत चर्चा हुई, बहुत सारे माननीय सदस्यों ने बहुत दिन तक यहां बहस की, परन्तु एक विषय ऐसा था जो शायद ध्यान में नहीं आया, मैं उस ओर ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा।

मेरे सीकर क्षेत्र में प्याज की बहुत बड़े पैमाने पर खेती होती है। राजस्थान और गुजरात में जीरा और इसबगोल की फसल होती है। ओला पड़ने से और फसलों को नुकसान होता है, परन्तु ये तीन फसलें ऐसी हैं कि प्याज के ऊपर लगातार दो-तीन तक बारिश हो जायेगी तो प्याज का छिलका गल जाता है, तब न उसका भण्डारण हो पाता है, न वह ठहर पाती है। इसी तरीके से जीरे के ऊपर अगर थोड़ी सी भी बारिश हो जाती है तो जीरा खत्म हो जाता है, जबकि इसबगोल मामूली गीला होने पर ही खत्म हो जाता है।

मैं माननीय मंत्री जी से और सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि जीरे और इसबगोल के किसानों की ओर ध्यान दिया जाये। उनकी बर्षा के नुकसान से ही पूरी फसल बर्बाद हो जाती है, उनकी एक रुपये की फसल भी नहीं बचती है। इसी तरह से प्याज का छिलका गलने के बाद उसका कुछ नहीं बचता है, इसलिए उसको आपदा में लिया जाये। माननीय कृषि मंत्री जी ने कल कहा था कि दस परसेंट पैसा राज्य सरकार दे सकती है। महोदया, दस परसेंट में कुछ भी नहीं होता है। पूरे प्रदेश में जब फसल होती हो तो उस राशि को बढ़ाया जाये, यह मेरा निवेदन है।

यही मैं कहना चाहता हूं, धन्यवाद।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** मेरा इतना ही निवेदन है कि यह बहस का विषय नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Only Shri Subba Reddy's speech will go on record.

...(*Interruptions*)*â€¦ **